

तू कन्या बणकै आज्ञा री हरियाणवी भजन



जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणकै आज्ञा री,
बणके आज्ञा री,
तू कन्या बणके आज्ञा री,
जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणके आज्ञा री।bd।

तर्ज - छम छम हो रही भवनों में।

नन्हे नन्हे पैर तेरे माँँ,
गरीब के द्वार पै धरिए,
दिलो जान से करै स्वागत,
मेहर म्हारी तू करिए,
बाट दिखावै मत ज्यादा,
तेरा रूप दिखाज्या री,
जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणके आज्ञा री।bd।

करकै चाल्लै शेर सवारी,
झुकती दुनिया सारी,
नतमस्तक होवै तेरे आगै,
कद आवै म्हारी बारी,
तेरे चरणों का अमृत माँँ,
दो घूट पिला जा री,
जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणके आज्ञा री।bd।

कुलदेवी तेरी रात जगाई,
आकै सफल बणाईए,
हार बणाए फूलों के माँँ,
चुनरी सर पै सजाईए,
पेड़े जलेबी का भोग बणाया,
हंस-हंस खाज्या री,
जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणके आज्ञा री।bd।



अपणी मर्जी की मालिक तू,
जोर म्हारा के चाल्लै,
लक्की शर्मा की झोली म्ह तू,
भथ भर बुगटे घाल्लै,
कलम गजेन्द्र की चाल्लै,
तू ज्ञान बढा ज्या री,
जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणके आज्ञा री।

जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणके आज्ञा री,
बणके आज्ञा री,
तू कन्या बणके आज्ञा री,
जगमग जगै भवन म्ह जोत,
तू कन्या बणके आज्ञा री।

गायक – लक्की शर्मा पिचोलिया ।

9034283904

लेखक – गजेन्द्र स्वामी कुड़लण ।

9996800660